राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने लोगों की समस्याएं सुनी

विकास कार्यों में लापरवाही नहीं चलेगी, अधिकारियों को समय पर करना होगा पूरा काम

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को समय पर काम करना होगा। मंत्री श्रीमती गौर ने अधिकारियों द्वारा लंबे समय तक फाइल अटकाने पर नाराजगी व्यक्त की। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने शुक्रवार को वार्ड-61 का औचक निरीक्षण कर रहवासियों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही उनका निराकरण किया।

राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने भ्रमण के दौरान कहा कि नागरिक सुविधाओं के स्थायी समाधान के लिए हम संकल्पित हैं। हमारा निरंतर प्रयास है कि क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं की कोई कमी नहीं रहे, इसके लिए आवश्यक कार्य किए जा रहे हैं। मंत्री श्रीमती गौर को गोविंदपुरा स्थानीय रहवासियों ने पेयजल से जुड़ी कुछ परेशानियाँ बताईं। उन्होंने पानी का प्रेशर कम होना और निर्धारित समय से कम अवधि तक पानी मिलने की शिकायत की। मंत्री श्रीमती गौर ने अधिकारियों को पाइपलाइन का प्रेशर ठीक करने, पानी लाइन नेटवर्क को दुरुस्त करने और जल आपूर्ति की समय सीमा बढ़ाने के निर्देश दिए। राज्य मंत्री श्रीमती गौर को लवकुश नगर, समृद्धि परिसर खजूरीकलां के रहवासियों ने बताया कि यहां मौजूद 40 फीट रोड पर बारिश में पानी भर जाता है। रहवासियों ने नाली पर से अतिक्रमण हटा कर सफाई की मांग की। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने अधिकारियों से पानी निकासी की व्यवस्था करने और मंदिर में पेवर ब्लॉक लगाने के निर्देश दिए। रचना विहार एवं अवंतिका विहार में कॉलोनी की प्रस्तावित सड़क एवं पार्क सौंदर्यीकरण कार्यों को शीघ्र व गुणवत्तापूर्ण कराने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

मंदिर सौंदर्यीकरण कार्य के लिये विधायक निधि से 5 लाख रूपये की सहयोग राशि प्रदान की गई है, ताकि धार्मिक व सांस्कृतिक स्थलों का स्वरूप और अधिक आकर्षक बन सके। तुलसी परिसर में मार्ग चौड़ीकरण, नाला सफाई, सीवेज के खुले में बहने तथा मंदिर सौंदर्यीकरण कार्यों के संबंध में निर्देश दिए गए हैं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने अमृतपुरी खजूरीकलां क्षेत्र के अमृतेश्वर महादेव मंदिर के समीप भ्रमण के दौरान रहवासियों से स्थानीय समस्याओं की जानकारी ली।

हिनौती गौधाम में सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करायें: शुक्ल

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हिनौती गौधाम में गौवंशों के लिए शेड की व्यवस्था सहित चारा व पानी सुविधा सुनिश्चित करायें। गौधाम में पानी की कमी न होने पाये इस पर विशेष ध्यान दें। सर्किट हाउस राजनिवास में हिनौती गौधाम के संबंध में बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अधोसंरचना विकास के कार्यों सहित अन्य निर्माणाधीन कार्यों की विस्तार से जानकारी ली।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि हिनौती गौधाम में टैंकर के माध्यम से पानी पहुंचाने की व्यवस्था करायें तथा गौवंश के लिए पशु आहार की भी उपलब्धता सुनिश्चित करायें। उन्होंने कहा कि गौधाम में व्यवस्था के अनुरूप ही गौवंश संरक्षित रखे जाय। उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों की धीमी प्रगति व व्यवस्थाओं में कमी होने पर नाराजगी व्यक्त की तथा एसडीएम को निर्देश दिये कि प्रतिदिवस हिनौती गौधाम जाकर व्यवस्थाओं की मानीटरिंग करें। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, अध्यक्ष गंगेव जनपद विकास तिवारी, एसडीएम राजेश सिन्हा, समाजसेवी राजेश पाण्डेय, उप संचालक पशुपालन डॉ. राजेश मिश्रा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव के साथ की चीता प्रोजेक्ट की समीक्षा

गांधीसागर अभयारण्य की जलवायु चीतों के लिए अनुकूल, 20 अप्रैल को छोड़े जाएंगे चीते: सीएम

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इको सिस्टम के प्रॉपर डेवलपमेंट के लिए मध्यप्रदेश में वृहद स्तर पर काम हो रहा है। वन्य पर्यटन हमारी अर्थव्यवस्था को गति देता है और अब यही हमारी समृद्धि का प्रवेश द्वार बन रहा है। हमारी सरकार कूनो राष्ट्रीय उद्यान को एक आदर्श वन्य प्राणी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगी। प्रदेश में सिर्फ कूनो ही नहीं, अब मंदसौर जिले का गांधीसागर अभयारण्य भी चीतों से गुलजार होगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के सहयोग से आगामी 20 अप्रैल को गांधी सागर अभयारण्य में चीते छोड़े जाएंगे। कड़ी सुरक्षा में कूनो नेशनल पार्क से 2 चीते शिफ्ट कर गांधीसागर अभयारण्य में ले जाये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कूनो नेशनल पार्क में पर्यटन तेजी से बढ़े, इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार ग्वालियर से कूनो के लिए डायरेक्ट रोड और एयर कनेक्टिविटी भी विकसित करने पर गंभीरता से विचार कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव के साथ मध्यप्रदेश में चीता प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन संबंधी समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

भारत में जन्में चीता शावकों की सर्वाइवल रेट विश्व में है अधिकतम: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों द्वारा यह जानकारी दिए जाने पर हर्ष व्यक्त किया कि भारत (मध्यप्रदेश) में जन्में चीता शावकों की जीवन प्रत्याशा (सर्वाइवल रेट) पूरे विश्व में सर्वाधिक है। दूसरे देशों में चीता शावक जलवायु से अनुकूलन के अभाव में सर्वाइव नहीं कर पाते हैं। चीतों के लिए जरूरी जलवायु और वातावरण की दृष्टि से गांधीसागर अभयारण्य बेहद अनुकूल है, इसलिए सरकार यहां चीते छोड़कर इस अभयारण्य को भी चीतों से गुलजार करेगी।

कूनो जुड़ेगा रोड टू एयर कनेक्टिविटी से

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्र सरकार के साथ मिलकर सबके सहयोग से हम चीतों का पुनर्वास करेंगे। ग्वालियर से कूनो नेशनल पार्क तक पक्की बारहमासी रोड बनाई जाएगी। कूनो में टेंट सिटी तैयार कर यहां आने वाले पर्यटकों को जंगल में प्रकृति के पास समय बिताने का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वन मंत्री श्री यादव की मंशा के अनुरूप हम कूनो प्रक्षेत्र में इंटरनेशनल लेवल का एक पशु चिकित्सालय और रेस्क्यू सेंटर भी खोलेंगे। इसके लिए केंद्र सरकार से भी मदद लेंगे। पशु चिकित्सालय के संचालन से कूनों के चीतों के इलाज के साथ-साथ इस पूरे क्षेत्र में गौवंश के उपचार में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के नेचर टूरिज्म सेक्टर में निहित असीम संभावनाओं को एक्सप्लोर करेगी। राज्य के अधिक से अधिक युवाओं और महिलाओं को वन्य पर्यटन से जोड़ेंगे। चीता मित्र और महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं को टूरिस्ट गाईड भी बनाएंगे, कूनो परिक्षेत्र में राज्य आजीविका विकास मिशन से दीदी कैफे संचालित किए जाएंगे, जिससे चीता मित्रों और महिलाओं को स्थानीय रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराए जा सकें।

सरकार किंग कोबरा और दुर्लभ प्रजाति के कछुओं का भी करेगी संरक्षण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की धरती पर चीतों के पुनर्वास से एक सदी का इंतजार खत्म हुआ है। राज्य सरकार किंग कोबरा, घड़ियाल और दुर्लभ प्रजाति के कछुओं के संरक्षण के लिए भी प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सरकार किंग कोबरा संरक्षण के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। प्रदेश के जंगलों में जहरीले सांपों की संख्या नियंत्रित करने के लिए किंग कोबरा को बसाना आवश्यक है। पहले चरण में 10 किंग कोबरा मध्यप्रदेश लाने पर विचार हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन अधिकारियों को चंबल नदी से घड़ियाल और कछुओं को प्रदेश की 4 बड़ी नदियों और जलाशयों में पुर्नवासित करने के निर्देश दिए।

चीता मित्रों को प्रशिक्षित करने के लिए आईआईएफएम की लें सेवाएं: केन्द्रीय मंत्री

केंद्रीय वन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में बड़ी क्षमताएं विद्यमान हैं। उन्होंने कूनो में चीतों के पुनर्वास और वन टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों की प्रशंसा की। केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने वन्य प्राणियों के संरक्षण और पर्यटन को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में चल रहे वन्य प्राणियों की पुनर्वास परियोजनाओं की देखरेख के लिए वन, पर्यटन, पशु चिकित्सा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य एवं परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का एक टास्क फोर्स बनाया जाए। यह टास्क फोर्स नियमित रूप से सभी प्रोजेक्ट्स की निगरानी करें। उन्होंने कहा कि श्योपुर जिले के 80 गांवों के 400 चीता मित्रों को प्रशिक्षित करने के लिए भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आईआईएफएम), भोपाल के साथ अनुबंध कर सकते हैं। चीता मित्रों को होम स्टे के लिए प्रशिक्षित कर उन्हें नेचर टूरिज्म के लिए तैयार करने की दिशा में भी कार्य किए जाएं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही कूनो के आसपास स्थित ऐतिहासिक धरोहरों को पर्यटकों के लिए विकसित किया जाए। कूनो में मौजूद एक पुराने किले को हेरिटेज वॉक के रूप में विकसित किया जा सकता है। मगरमच्छ और घड़ियाल के दीदार के लिए व्यू प्वाइंट्स बने, वन्य प्राणियों के रेस्क्यू के लिए सेंटर और पर्यटकों के लिए आयुर्वेदिक सेंटर तैयार किए जाएं।

बोत्सवाना से दो चरण में लाए जाएंगे 8 चीते

बैठक में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की ओर से बताया गया कि देश में चीता प्रोजेक्ट पर अब तक 112 करोड़ रुपए से अधिक राशि व्यय की जा चुकी है। इसमें से 67 प्रतिशत राशि मध्यप्रदेश में हुए चीता पुनर्वास पर व्यय हुई है। प्रोजेक्ट चीता के तहत ही अब गांधीसागर अभयारण्य में भी चीते चरणबद्ध रूप से विस्थापित किए जाएंगे। गांधीसागर अभयारण्य राजस्थान की सीमा से लगा हुआ है, इसलिए अंतर्राज्यीय चीता संरक्षण परिसर की स्थापना के लिए मध्यप्रदेश और राजस्थान राज्य के बीच सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है। अभी कूनो और गांधीसागर अभयारण्य में चीता मित्रों की क्षमता संवर्धन के लिए उन्हें विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना तथा केन्या से और अधिक चीते भारत लाने के लिए प्रयास जारी हैं। दो चरण में 8 चीते भारत लाए जाएंगे। मई 2025 तक बोत्सवाना से 4 चीते भारत लेकर आने की योजना है। इसके बाद 4 और चीते लाये जाएंगे।

सैटेलाइट कॉलर आईडी हो रही चीतों की मॉनीटरिंग, चीता सफारी प्रारंभ करने की भी है तैयारी

बैठक में वन अधिकारियों ने बताया कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में वर्तमान में कुल 26 चीते हैं। इनमें से 16 चीते खुले जंगल में हैं और 10 पुनर्वास केंद्र में हैं। कूनो में चीतों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यहां ज्वाला, आशा, गामिनी और वीरा मादा चीता ने शावकों को जन्म दिया है। चीतों की निगरानी के लिए सैटेलाइट कॉलर आईडी से 24 घंटे ट्रैकिंग की जा रही है। चीतों के पुनर्स्थापना के बाद कूनो राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों की संख्या बढ़कर 2 साल में दोगुनी हो चुकी है। राज्य सरकार ने कूनो में चीता सफारी शुरू करने के लिए माननीय सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर मंजूरी मांगी है, क्योंकि वन क्षेत्र या इको सेंसिटिव जोन में सफारी प्रारंभ करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से अनुमति लेनी जरूरी है।

डिंडोरी जिले के जनजातीय गाँव उफरी के हर घर पहुंचा नल से जल

भोपाल। डिंडोरी जिले के करंजिया ब्लॉक का उफरी गांव, जहां कभी जल संकट विकराल रूप ले लेता था, अब स्वच्छ पेयजल की सुविधा से आत्मनिर्भर हो चुका है। यह वही गांव है, जहां पानी की एक-एक बूंद के लिए ग्रामीणों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जहां महिलाओं और बच्चों का बड़ा हिस्सा अपने दिन का अधिकांश समय पानी की व्यवस्था करने में ही गंवा देता था। अब यह सब बीते समय की बात हो गई है। गांव के बुजुर्ग श्री गंगाराम बैगा बताते हैं, ÷गर्मियों में पानी की इतनी दिक्कत थी कि कई बार हमें रात में भी पानी भरने जाना पड़ता था। कई बार तो ऐसा हुआ कि झिरियों से गंदा पानी पीने के कारण गांव के कई लोग बीमार पड़ गए। हमें कभी उम्मीद नहीं थी कि हमारे गांव में भी नल से पानी मिलेगा। अब हालात पूरी तरह बदल गए हैं। यह हमारे लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है। जल संकट से जूझ रहे इस गांव में पीएम जनमन योजना के साथ जल जीवन मिशन का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा यहां एक बड़ी पेयजल टंकी का निर्माण कराया गया, जिससे पाइपलाइन के माध्यम से हर घर तक पानी पहुंचाया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य जनजातीय परिवारों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना था, ताकि उन्हें जल संकट से मुक्ति मिल सके।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2022-23 नवाचार श्रेणी के लिए चयनित शासकीय अधिकारियों की सूची जारी

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

सामान्य प्रशासन विभाग ने नवाचार श्रेणी के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2022-23 चयनित शासकीय अधिकारियों की सूची जारी की है। सूची में 6 क्षेत्रों के लिए 14 शासकीय अधिकारियों के नाम शामिल हैं। सभी चयनित शासकीय सेवकों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 1 लाख रुपये नकद और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। अधिकारियों को यह पुरस्कार अपने-अपने क्षेत्रों में किए गए नवाचार के लिए दिया जा रहा है। सम्मान समारोह का आयोजन नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में किया जाएगा। शिक्षा एवं मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य एवं पोषण, सामाजिक समावेश एवं सशक्तिकरण, अधोसंरचना, नागरिक सेवा प्रदाय-सूचना प्रौद्योगिकी एवं सुशासन, रोजगार एवं आर्थिक विकास क्षेत्रों में नवाचार के लिये पुरस्कार प्रदान किये जा रहे हैं। पुरस्कार के चयनित अधिकारियों में सुश्री शीला दाहिमा, दिव्यांक सिंह और प्रवीण सिंह के नाम शामिल हैं।

राज्यपाल 19 को प्रतापगढ़ में संविधान गौरव सम्मान कार्यक्रम में होंगे सम्मिलित

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल 19 अप्रैल को रायसेन जिले की सिलवानी तहसील के ग्राम प्रतापगढ़ में आयोजित संविधान गौरव सम्मान कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। राज्यपाल श्री पटेल 19 अप्रैल को हैलीकॉप्टर द्वारा भोपाल से प्रस्थान कर प्रातः 10.50 बजे ग्राम प्रतापगढ़ पहुचेंगे और प्रातः 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक संविधान गौरव सम्मान कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। राज्यपाल के साथ हैलीकॉप्टर में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल भी प्रतापगढ़ पहुंचेंगे और कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। राज्यपाल तथा स्वास्थ्य राज्यमंत्री ग्राम प्रतापगढ़ में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों के आवासों का भ्रमण कर संवाद भी करेंगे।

रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव से विंध्य क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के खुले हैं द्वार: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हाल ही में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव, रीवा के माध्यम से विंध्य क्षेत्र में निवेश के अपार अवसर खुले हैं। जो विंध्य के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। पतंजलि समूह जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की भागीदारी से इस क्षेत्र में औद्योगिक क्रांति की मजबूत आधारशिला रखी जा सकती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से अमहिया, रीवा स्थित निज निवास पर पतंजलि योगपीठ के संस्थापक सचिव आचार्य श्री बालकृष्ण ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर पतंजलि संस्थान द्वारा विंध्य क्षेत्र में किए जा रहे निवेश एवं संभावित औद्योगिक परियोजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। क्षेत्रीय विकास, स्थानीय संसाधनों के समुचित उपयोग तथा युवाओं को रोजगार से जोड़ने के विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। क्षेत्र की औद्योगिक क्षमता, प्राकृतिक संसाधनों और जनभागीदारी के माध्यम से आत्मनिर्भर विंध्य के निर्माण की दिशा में सार्थक चर्चा हुई।

खाद्य मंत्री ने ग्राम सागर में तालाब गहरीकरण कार्य में दी अपनी सहभागिता

तालाबों का संरक्षण और गहरीकरण हमारे भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक : गोविंद सिंह राजपूत

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने गुना जिले के ग्राम सागर में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत तालाब गहरीकरण के कार्य में अपनी सहभागिता कर श्रमदान किया गया। मंत्री श्री राजपूत द्वारा पूजा कर गेती-फावड़ा लेकर स्वयं श्रमदान करते हुए तालाब गहरीकरण कार्य की शुरुआत की और जल संरक्षण की इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम की शुरुआत में ग्रामवासियों द्वारा पुष्पमालाओं से अतिथियों का अभिनंदन किया गया। इसके पश्चात मंत्री एवं विधायक ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयास नहीं बल्कि जन-सहभागिता से जुड़ा एक संकल्प है। तालाबों का संरक्षण और गहरीकरण हमारे भविष्य की जल आवश्यकता की पूर्ति के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से इस अभियान को जनांदोलन के रूप में अपनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर विधायक चांचौड़ा श्रीमति प्रियंका पेंची, जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़, भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, अन्य जनप्रतिनिधिगण कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, अनुविभागीय अधिकारी चांचौड़ा रवि मालवीय सहित जनपद एवं पंचायत प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

शालाओं में 22 अप्रैल को होगा पृथ्वी दिवस का आयोजन

भोपाल। प्रदेश की सभी शालाओं में 22 अप्रैल 2025 मंगलवार के दिन पृथ्वी दिवस का आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन के संचालन के लिए संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह ने समस्त जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये हैं। विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा ''इको क्लब फॉर मिशन लाइफ'' कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की जा रही हैं। पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए विद्यालयों में इको क्लब का गठन भी किया गया है। प्रदेश में विद्यालयों में गठित इको क्लब से ÷फ्लोरा (वनस्पति) के लिए क्यूआर कोड÷ नामक एक शैक्षिक पहल की शुरूआत की गई है। इसका प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल का विकास करना, क्यूआर कोड निर्माण और डिजिटल जानकारी प्रदान करना है।

प्रसाद योजना से संवरेगी माँ पीताम्बरा की नगरी: सीएम

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माँ पीताम्बरा की नगरी को प्रदेश का प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल बनने के लिये सुविधा संपन्न बनाया जाएगाइस योजना से धार्मिक स्थलों का कायाकल्प होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ीकरण होगा। ÷प्रसाद योजना÷ का उद्देश्य भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और पर्यटकों के लिए सुविधाजनक बनाना है।

धार्मिक विरासत को मिलेगा आधुनिक स्वरूप

प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक?ला ने बताया कि पीतांबरा पीठ में पर्यटन सेवाओं के विस्तार से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। सुविधाएं बढ़ने से यह विकास तीर्थयात्रियों को आसानी होगी। हाइवे से मंदिर की ओर लगभग 2 कि.मी. के मार्ग पर पैदल आने वाले दर्शनार्थियों एवं वरि?ठ जनों को ताजी हवा, खुला वातावरण और आराम प्रदान करने के लिए विशेष रूप से खुले स्थानों का विकास किया जाएगा। इन क्षेत्रों में हरियाली, बेंच, पेड़-पौधे और विश्राम करने के लिए स्थान होंगे। इससे पर्यटकों को ताजगी का अनुभव होगा।

सार्वजनिक सुविधाएं

शहर के नागरिकों और पर्यटकों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, कचरा प्रबंधन और अन्य सार्वजनिक सेवाओं को उन्नत किया जाएगा। इससे शहर अधिक सुविधाजनक और सुगम बनेगा। मंदिर प्रबंधन ने उत्तर गेट के समीप इसके लिये लगभग 1000 वर्ग मी0 की भूमि उपलब्ध कराई है, उत्तर गेट भविष्य का मुख्य द्वार होगा। उत्तर द्वार से मंदिरों में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक इंटरप्रिटेशन सेंटर (व्याख्या केंद्र) बनाया जाएगा, जहां मंदिर के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व की जानकारी दी जाएगी। प्रथम तल पर मंदिर ट्रस्ट का कार्यालय एवं भीड़ नियंत्रण कक्ष भी होगा। ग्वालियर एवं झाँसी से आने वाले वाहनों/यात्रियों हेतु यातायात प्रबंधन को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए बम-बम भोले एवं हनुमान चौक पर रोटरी की डिज़ाइन की जायेगी। यह न केवल ट्रैफिक नियंत्रण में मदद करेगा बल्कि सौंदर्यीकरण में भी योगदान देगा।